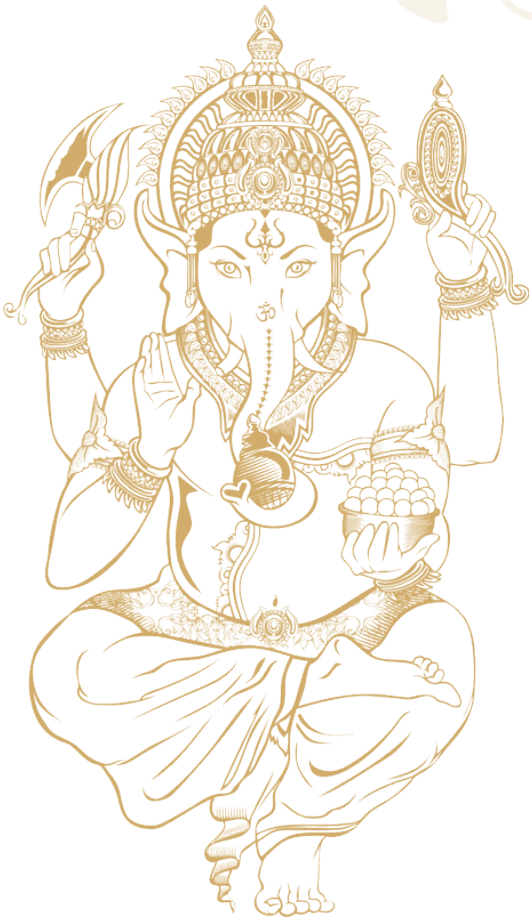

# Mohit

# Vanshika

Model: Horoscope-Matching

Order No: 120957201

Model: Horoscope-Matching

Order No: 120957201 Date: 17/01/2026

| | | |
|---|---|---|
| पुल्लिंग | लिंग | स्त्रीलिंग |
| 05/03/1996 | जन्म तिथि | 30/09/1999 |
| मंगलवार | दिन | गुरुवार |
| घंटे 18:53:00 | जन्म समय | 19:05:00 घंटे |
| घटी 29:52:12 | जन्म समय(घटी) | 31:28:44 घटी |
| India | देश | India |
| Surat | स्थान | Ahmedabad |
| 21:10:00 उत्तर | अक्षांश | 23:03:00 उत्तर |
| 72:50:00 पूर्व | रेखांश | 72:40:00 पूर्व |
| 82:30:00 पूर्व | मध्य रेखांश | 82:30:00 पूर्व |
| घंटे -00:38:40 | स्थानिक संस्कार | -00:39:20 घंटे |
| घंटे 00:00:00 | ग्रीष्म संस्कार | 00:00:00 घंटे |
| 06:56:07 | सूर्योदय | 06:30:30 |
| 18:44:26 | सूर्यास्त | 18:28:11 |
| 23:48:20 | चित्रपक्षीय अयनांश | 23:50:59 |
| सिंह | लग्न | मीन |
| सूर्य | लग्न लग्नाधिपति | गुरु |
| सिंह | राशि | वृष |
| सूर्य | राशि-स्वामी | शुक्र |
| पू०फाल्गुनी | नक्षत्र | रोहिणी |
| शुक्र | नक्षत्र स्वामी | चन्द्र |
| 4 | चरण | 4 |
| धृति | योग | व्यतिपात |
| बालव | करण | वणिज |
| टू-टूंगर | जन्म नामाक्षर | वू-वूली |
| मीन | सूर्य राशि(पाश्चात्य) | तुला |
| क्षत्रिय | वर्ण | वैश्य |
| वनचर | वश्य | चतुष्पाद |
| मूषक | योनि | सर्प |
| मनुष्य | गण | मनुष्य |
| मध्य | नाड़ी | अन्त्य |
| श्वान | वर्ग | मृग |

# ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

| विंशोत्तरी | | अंश | राशि | ग्रह | राशि | अंश | विंशोत्तरी | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| शुक्र 4वर्ष 11मा 4दि | | 24:13:19 | सिंह | लग्न | मीन | 26:21:14 | चन्द्र 1वर्ष 0मा 19दि | |
| राहु | | 21:27:15 | कुंभ | सूर्य | कन्या | 13:05:47 | गुरु | |
| 08/02/2024 | | 23:22:52 | सिंह | चंद्र | वृष | 21:55:46 | 19/10/2025 | |
| 08/02/2042 | | 21:14:45 | कुंभ | मंगल | वृश्चि | 24:29:02 | 19/10/2041 | |
| राहु | 21/10/2026 | 03:05:48 | कुंभ | बुध | कन्या | 29:10:49 | गुरु | 07/12/2027 |
| गुरु | 16/03/2029 | 18:40:41 | धनु | गुरु व | मेष | 09:01:10 | शनि | 20/06/2030 |
| शनि | 21/01/2032 | 05:36:23 | मेष | शुक्र | सिंह | 01:21:44 | बुध | 25/09/2032 |
| बुध | 09/08/2034 | 02:09:16 | मीन | शनि व | मेष | 22:28:36 | केतु | 31/08/2033 |
| केतु | 28/08/2035 | 23:32:58 | कन्या व | राहु व | कर्क | 17:29:01 | शुक्र | 01/05/2036 |
| शुक्र | 28/08/2038 | 23:32:58 | मीन व | केतु व | मक | 17:29:01 | सूर्य | 18/02/2037 |
| सूर्य | 22/07/2039 | 09:09:14 | मक | हर्ष व | मक | 19:13:26 | चन्द्र | 20/06/2038 |
| चन्द्र | 20/01/2041 | 03:08:50 | मक | नेप व | मक | 07:47:18 | मंगल | 27/05/2039 |
| मंगल | 08/02/2042 | 09:18:36 | वृश्चि | प्लूटो | वृश्चि | 14:22:47 | राहु | 19/10/2041 |

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

**23:48:20 चित्रपक्षीय अयनांश 23:50:59**

## लग्न-चलित

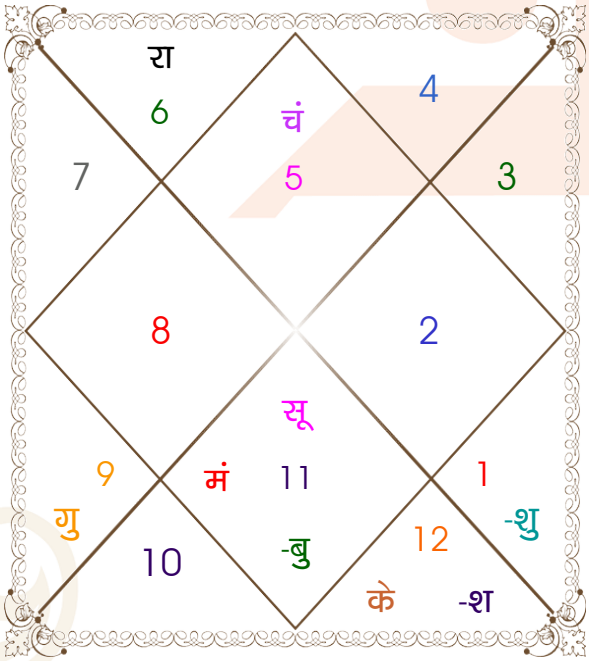


## लग्न-चलित

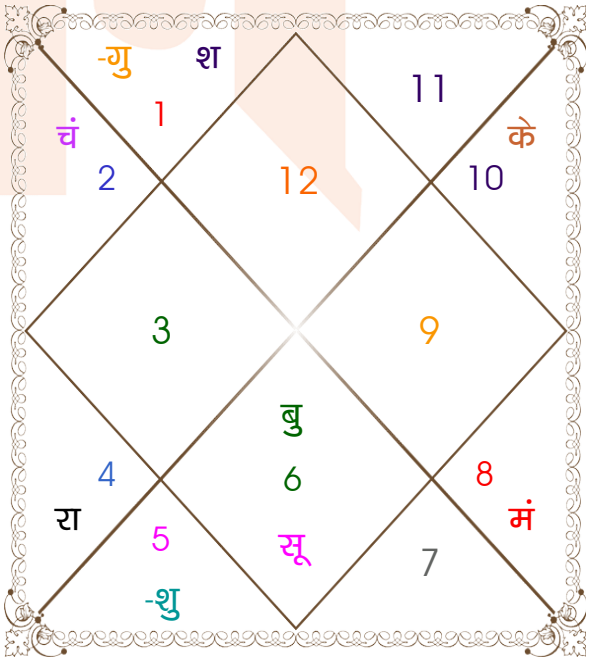

## अष्टकूट गुण सारिणी

| कूट | वर | कन्या | अंक | प्राप्त | दोष | क्षेत्र |
|---|---|---|---|---|---|---|
| वर्ण | क्षत्रिय | वैश्य | 1 | 1.00 | -- | जातीय कर्म |
| वश्य | वनचर | चतुष्पाद | 2 | 0.00 | -- | स्वभाव |
| तारा | मित्र | विपत | 3 | 1.50 | -- | भाग्य |
| योनि | मूषक | सर्प | 4 | 1.00 | -- | यौन विचार |
| मैत्री | सूर्य | शुक्र | 5 | 0.00 | -- | आपसी सम्बन्ध |
| गण | मनुष्य | मनुष्य | 6 | 6.00 | -- | सामाजिकता |
| भकूट | सिंह | वृष | 7 | 7.00 | -- | जीवन शैली |
| नाड़ी | मध्य | अन्त्य | 8 | 8.00 | -- | स्वास्थ्य/संतान |
| कुल : | | | 36 | 24.50 | | |

कुल : **24.5 / 36**

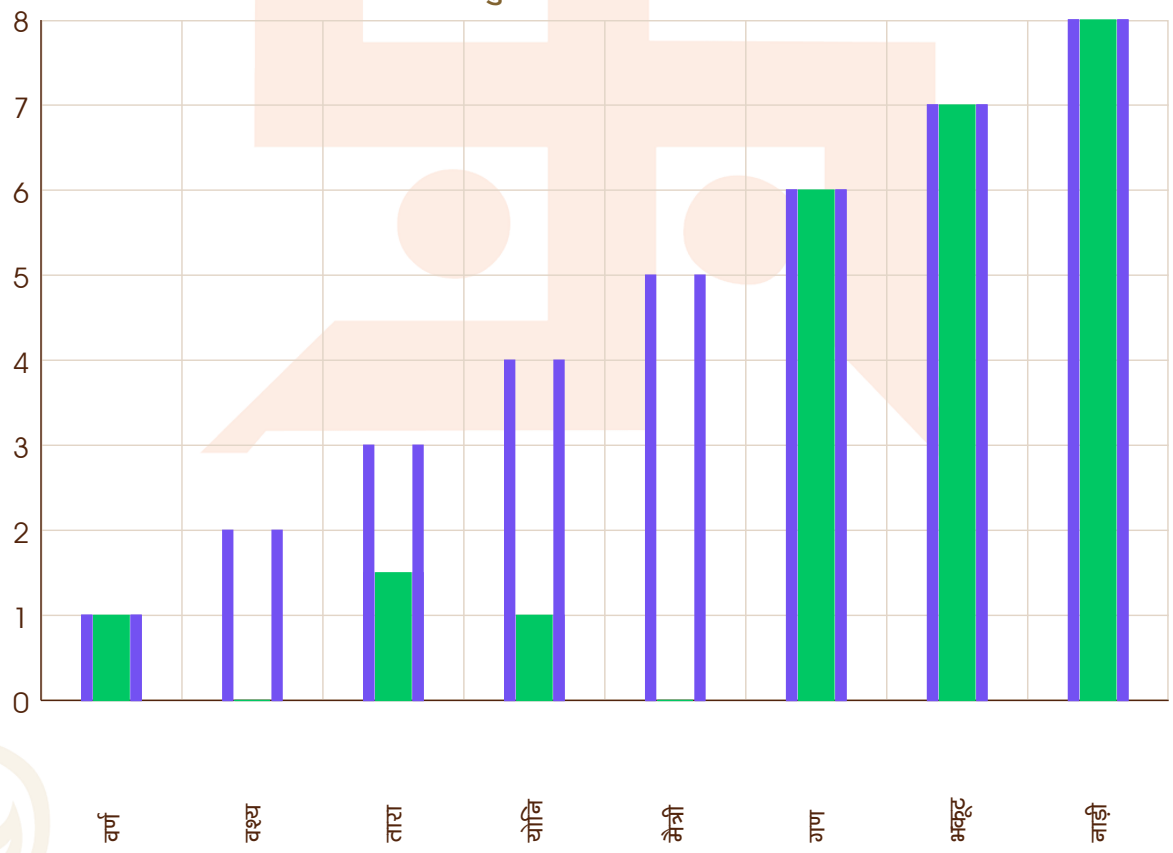

# अष्टकूट मिलान

Mohit का वर्ग श्वान है तथा Vanshika का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर मित्रता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mohit और Vanshika का मिलान अत्युत्तम है।

## मंगलीक दोष मिलान

Mohit मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

Vanshika मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में नवम् भाव में स्थित है।

Mohit तथा Vanshika में मंगलीक मिलान ठीक नही है।

## निष्कर्ष

मंगलीक दोष के कारण मिलान ठीक नहीं हैं।

# अष्टकूट फलादेश

## वर्ण

Mohit का वर्ण क्षत्रिय तथा Vanshika का वर्ण वैश्य है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके प्रभाववश Vanshika आज्ञाकारी, सेवा करने वाली तथा विश्वासपात्र होगी। साथ ही Vanshika की हमेशा कम खर्च करके परिवार के लिए पैसे बचाने की आदत रहेगी ताकि जिससे ये पैसे भविष्य में काम आ सकें।

## वश्य

Mohit का वश्य वनचर है एवं Vanshika का वश्य चतुष्पद है। जिसके कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। वनचर हमेशा चतुष्पद के लिए खतरा होता है। जब भी वनचर को मौका मिलता है वह चतुष्पद को अपना शिकार बना लेता है। वनचर Mohit एवं चतुष्पद Vanshika का विवाह अच्छा साबित होने में संदेह है। Mohit निर्दयी, क्रूर, वर्चस्वशाली एवं चतुर होगा तथा अपनी पत्नी को नौकरानी की भांति समझेगा। वह Vanshika को नीचा दिखाने का कोई अवसर नहीं चूकेगा। अक्सर वह अपनी पत्नी के साथ क्रूर व्यवहार कर सकता है तथा संभव है Vanshika को अक्सर उसका दुर्व्यवहार सहना पड़े।

## तारा

Mohit की तारा मित्र तथा Vanshika की तारा विपत है। Vanshika की तारा विपत होने के कारण यह मिलान औसत मिलान ही है। यह मिलान Mohit एवं उसके परिवार के लिए दुर्भाग्य एवं नुकसान का कारण बन सकता है। परन्तु कड़े एवं लगातार प्रयासों के बाद परिणाम सुखदायी हो सकता है। संभव है कि Vanshika का रुख सहयोगात्मक नहीं हो तथा आपसी विश्वास, प्रेम एवं समझ की कमी बनी रहे। अक्सर पति एवं पत्नी के बीच संघर्ष एवं लड़ाई-झगड़े रह सकते हैं तथा बच्चे भी इसका गलत फायदा उठायेंगे। जिसके कारण संभव है कि बच्चे योग्य एवं आज्ञाकारी नहीं हों।

## योनि

Mohit की योनि मूषक है तथा Vanshika की योनि सर्प है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं है। इन दोनों योनि के बीच सामान्य वैर है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान न होकर बुरा मिलान ही रहेगा। जिसके कारण दोनों की रुचि एवं पसंद नापसंद अलग- अलग ही होंगी। इनके वैवाहिक एवं पारिवारिक जीवन में अक्सर लड़ाई झगड़े हो सकते हैं। कभी- कभी लड़ाई झगड़ा घरेलू हिंसा का रूप भी ले सकता है। लड़ाई झगड़े के कारण पारिवारिक माहौल तनावपूर्ण एवं कलेशपूर्वक ही रहेगा। दोनों कभी कभी एक दूसरे पर हिंसक आक्रमण भी कर सकते हैं। दोनों के बीच झगड़े का कारण बुद्धिमत्ता एवं परस्पर समझदारी की कमी ही हो सकती है। यदि समझदारी और समझबूझ से काम न लिया गया तो कुछ समय अंतराल पर यह स्थिति मुकदमेबाजी तक भी पहुंच सकती है। इस प्रकार परस्पर प्रेम एवं सौहार्द्र की भावना का अभाव ही रहेगा। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी रह सकती है। कभी-कभी धनहानि

होने की भी संभावना होगी। अतः यदि दोनों परस्पर समझदारी एवं बुद्धि से काम लें तो स्थिति को सुधारा भी जा सकता है। परस्पर लड़ाई झगड़े और वैचारिक मतभेद रहने के कारण परिवार में सुख समृद्धि का अभाव ही देखने को मिलेगा। इस प्रकार वैवाहिक जीवन संघर्षपूर्ण व कलेशपूर्वक बीतने की संभावना है अतः सतर्कता बरतें।

## मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में Mohit एवं Vanshika दोनों के राशि स्वामी परस्पर शत्रु हैं। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अत्यधिक बुरा मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि में यदि दोनों के राशि स्वामी परस्पर शत्रु हों तो इसे अत्यधिक बुरा मिलान माना जाता है। जिसके कारण Mohit एवं Vanshika के बीच किसी प्रकार का प्रेम नहीं रहेगा तथा दोनों में काफी वैचारिक भिन्नता, तनाव, झगड़ा, मुकदमेबाजी यहां तक कि तलाक आदि की स्थिति भी बन सकती है। परिवार में शांति एवं सौहार्दता के अनुपस्थित रहने के कारण घर में हमेशा पैसे का अभाव बना रह सकता है तथा अपनी न्यूनतम आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए भी Mohit दवं Vanshika को काफी संघर्ष करना पड़ सकता है। इनके बच्चे अयोग्य, बात नहीं सुनने वाले तथा जीवन में काफी हद तक असफल होते हैं।

## गण

Mohit का गण मनुष्य तथा Vanshika का गण भी मनुष्य ही है। अर्थात दोनों का गण समान है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण दोनों के स्वभाव एक जैसे होंगे। दोनों भौतिक सुखों के आकांक्षी, परिश्रमी, बुद्धिमान, व्यावहारिक तथा मिलनसार रहेंगे। तथा साथ मिलकर अपने सभी दायित्वों का निर्वहन करेंगे।

## भकूट

Mohit से Vanshika की राशि दशम भाव में स्थित है तथा Vanshika से Mohit की राशि चतुर्थ भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण Mohit एक पारिवारिक व्यक्ति होंगे तथा अपनी पत्नी एवं बच्चों समेत परिवार के हर सदस्य की देखभाल करेंगे। उन्हें अपने संबंधियों से ही खुशी प्राप्त होगी तथा उनकी पत्नी सदैव कर्त्तव्यों के निर्वहन में उनकी मदद करती रहेंगी। Vanshika को घर, वाहन, मां का प्यार समेत जीवन में हर सुख एवं खुशी प्राप्त होगी। Vanshika हमेशा अपने पति की परछाईं बनकर सदैव उनकी सहायता करती रहेंगी।

## नाड़ी

Mohit की नाड़ी मध्य है तथा Vanshika की नाड़ी अन्त्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात यह मिलान अति उत्तम मिलान है। यह जीवन के लिए आवश्यक दो महत्वपूर्ण अवयवों का समन्वय है। अच्छे स्वास्थ्य, स्वस्थ काया एवं अच्छे यौन जीवन के लिए वात, पित्त एवं कफ का शरीर में संतुलन आवश्यक है। जिसके कारण Mohit एवं Vanshika के बीच साहचर्य, सुख एवं समृद्धि की वृद्धि

तथा उन्हें अच्छे, स्वस्थ एवं आज्ञाकारी संतान प्रदान होगी।

# मेलापक फलित

## स्वभाव

Mohit की जन्म राशि अग्नितत्व युक्त सिंह राशि है तथा Vanshika की पृथ्वी तत्व युक्त वृष राशि है। नैसर्गिक रूप से अग्नि एवं पृथ्वी तत्व के मध्य विषमता का भाव रहता है। अतः Mohit और Vanshika के मध्य स्वभावगत असमानताओं के कारण मिलान विशेष अच्छा नहीं रहेगा तथा समय समय पर उनके परस्पर विवाद तथा मतभेद उत्पन्न होते रहेंगे।

Mohit की जन्म राशि का स्वामी सूर्य तथा Vanshika की जन्म राशि का स्वामी शुक्र परस्पर शत्रु है। अतः इसके प्रभाव से Mohit और Vanshika का दाम्पत्य संबध अच्छा नहीं रहेगा। इनकी प्रवृति परस्पर विवाद एवं वैमनस्य के भाव से युक्त होगी तथा एक दूसरे के गुणों की उपेक्षा करेंगे तथा कमियों पर विशेष ध्यान देंगे। फलतः संबधों में तनाव उत्पन्न होगा तथा एक दूसरे के प्रति आकर्षण समर्पण एवं सहयोग की भावना में न्यूनता रहेगी फलतः दाम्पत्य जीवन सुखमय नहीं रहेगा।

Mohit और Vanshika की राशियां परस्पर दशम एवं चतुर्थ भाव में पड़ती है। यह शुभ भकूट है अतः इसके प्रभाव से उपरोक्त अशुभ प्रभावों में न्यूनता आ सकती है तथा परस्पर सामंजस्य स्थापित करके आनंद के कुछ क्षणों की अनुभूति करने में समर्थ हो सकते हैं। साथ ही जीवन में सुख संसाधनों की प्राप्ति करके उनके उपभोग करने में भी Mohit और Vanshika को सफलता प्राप्त होगी।

Mohit का वश्य वनचर तथा Vanshika का वश्य चतुष्पद है नैसर्गिक रूप से वनचर एवं चतुष्पद में असमानता का भाव होता है अतः Mohit और Vanshika की अभिरूचियां अलग अलग होंगी तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर भी विषमता का भाव रहेगा तथा एक दूसरे को काम चेष्टाओं में भी प्रसन्न एवं सन्तुष्ट करने में असमर्थ रहेंगे।

Mohit का वर्ण क्षत्रिय तथा Vanshika का वर्ण वैश्य है। Mohit की प्रवृति साहसी एवं पराक्रमी कार्यो को करने की रहेगी तथा Vanshika व्यापारिक बुद्धि से अपने कार्य कलापों को सम्पन्न करेंगी। साथ ही धनार्जन के प्रति हमेशा प्रवृत रहेंगी।

## धन

Mohit और Vanshika दोनों की तारा परस्पर सम है। अतः आर्थिक स्थिति पर इसका कोई विशेष प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्य गति से धन एवं लाभ अर्जित करने में दोनों तत्पर रहेंगे। भकूट भी सम ही रहेगा जिससे उनके लाभमार्ग स्वबुद्धिमता एवं परिश्रम से प्रशस्त रहेंगे। मंगल का भी उनकी आर्थिक स्थिति पर कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा। इस प्रकार उनके अर्थिक स्तर पर कोई विशेष नाटकीय परिवर्तन की संभावना नहीं होगी परन्तु सामान्य जीवन धनऐश्वर्य से युक्त होकर व्यतीत होगा।

इसके साथ ही कोई विशेष या अचानक लाभ के योगों में भी न्यूनता होगी तथा

आर्थिक स्तर अपने ही अनुकूल रहेगा जिससे वे आर्थिक रूप से सन्तुष्टि की अनुभूति करेंगे।

## स्वास्थ्य

Mohit मध्य नाड़ी तथा Vanshika अन्त्य नाड़ी में उत्पन्न हुई है। अतः दोनों की नाड़ी अलग अलग होने के कारण इन पर नाड़ी दोष का प्रभाव नहीं होगा फलतः शारीरिक रूप से दोनों सामान्यतया स्वस्थ ही रहेंगे परन्तु Vanshika के स्वास्थ्य पर मंगल का अशुभ प्रभाव होगा जिससे वे रक्त या पित संबंधी परेशानी प्राप्त करेंगी तथा यदा कदा हृदय संबंधी कष्ट भी हो सकता है। साथ ही गुप्त रोग या मासिक धर्म संबंधी असुविधा भी समय समय पर होती रहेगी। Vanshika सुख के क्षणों में भी यदा कदा उदासीनता के भाव का प्रदर्शन करेंगी जिससे परस्पर संबंधों में तनाव का भाव विद्यमान होगा। अतः मंगल के अशुभ प्रभाव को कम करने के लिए Vanshika को नियमित रूप से हनुमानजी की पूजा करनी चाहिए तथा मंगलवार के उपवास भी सम्पन्न करने चाहिए।

## संतान

संतति प्राप्ति के दृष्टि से Mohit और Vanshika का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उनको संतति की प्राप्ति उचित समय पर होगी तथा इसमें किसी भी प्रकार का अनावश्यक विलम्ब नहीं होगा। साथ ही बच्चों के मध्य जन्म का अंतर भी अनुकूल रहेगा जिससे उनके उचित पालन पोषण करने के लिए पर्याप्त अवसर मिलेगा। इसके अतिरिक्त इनकी कन्या तथा पुत्र संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव काल के प्रति Vanshika के मन में अनावश्यक भय की भावना पहले से ही विद्य मान रहेगी जिससे वे मानसिक रूप से अशांति की अनुभूति करेंगी। अतः Vanshika को चाहिए कि ऐसी भय की भावना को मन से दूर करें क्योंकि उनका प्रसव बिना किसी विध्न या समस्या के सम्पन्न होगा तथा किसी भी प्रकार से प्रसूति संबधी चिकित्सा की उनको अनावश्यकता नहीं होगी साथ ही उनका स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा तथा सुदंर, स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में समर्थ रहेंगी। फलतः इससे सास ससुर तथा पति उनसे प्रसन्न रहेंगे।

Mohit और Vanshika बच्चों की उन्नति व्यवहार कुशलता एवं बुद्धिमता से प्रसन्न रहेंगे। साथ ही माता पिता की इच्छा के विरूद्ध वे कोई भी कार्य नहीं करेंगे तथा उनके सम्मान का हमेशा ध्यान रखेंगे। लेकिन माता की अपेक्षा पिता से उनका विशेष लगाव रहेगा तथा उनकी आज्ञा का पूर्ण पालन करेंगे। अतः Mohit और Vanshika का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा आनंद पूर्वक व्यतीत होगा।

## ससुराल-सुश्री

Vanshika के सास से प्रायः अच्छे संबध रहेंगे। यद्यपि उनकी सास अन्य जनों के मामलों में कम ही हस्तक्षेप करने वाली महिला होंगी तथापि उनके कुछ सिद्धांत Vanshika के लिए अनुकरणीय हो सकते है। साथ ही इन दोनों के मध्य कोई विशेष समस्या या मतभेद नहीं रहेंगे।

Vanshika अपने कुशल व्यवहार मधुर वाणी एवं सेवा भाव से ससुर को प्रसन्न एवं

सन्तुष्ट करने में सफलता प्राप्त करेंगी। साथ ही ननद एवं देवरों के साथ भी उनके संबध मित्रता पूर्ण रहेंगे तथा उनको पूर्ण सहयोग एवं स्नेह प्रदान करेंगी। अतः उनका दिल जीतने में सफल रहेंगी।

इस प्रकार Vanshika के प्रति उनके सास ससुर का दृष्टि कोण आत्मयीता से पूर्ण रहेगा तथा घर में उसे पूर्ण सुख सुविधा तथा स्नेह प्रदान करेंगे।

## ससुराल-श्री

Mohit के अपनी सास से सामान्य संबध रहेंगे। वह अपनी ओर से उन्हें पूर्ण आदर तथा सम्मान प्रदान करेंगे तथा उनकी सेवा तथा सुख सुविधा के प्रति भी तत्पर रहेंगे। इनके मध्य कोई विशेष मतभेद नहीं रहेंगे तथा Mohit अवसरानुकूल सपत्नीक से मिलने जाया करेंगे जिससे संबधों में मधुरता के भाव की वृद्धि होगी।

ससुर के प्रति भी Mohit का आदर तथा सेवा का भाव रहेगा तथा वे भी इनको पूर्ण स्नेह तथा सहानुभूति प्रदान करेंगे साथ ही ससुर भी समय समय पर महत्वपूर्ण मामलों में Mohit का दिग्दर्शन करेंगे। लेकिन साले एवं सालियों के साथ संबध अच्छे नहीं रहेंगे तथा परस्पर मतभेद एवं तनाव की बहुलता रहेगी। साथ ही एक दूसरे के प्रति प्रतिद्वन्दिता तथा ईर्ष्या का भी भाव रहेगा। लेकिन यदि Mohit तथा वे आपस में सामंजस्य रखें तो संबधों में अनुकूलता आ सकती है। इस प्रकार ससुराल में Mohit के संबध सामान्यतया अच्छे ही रहेंगे।